Source: Punjab Kesari, Delhi; 13th August 2019; Page: 4

केस इंवेस्टिगेशन के लिए गृह मंत्रालय की ओर से पहली बार एक्सलेंस अवॉर्ड

अभिषेक तिवारी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : संगीन अपराधों और हाई-प्रोफाइल क्रिमिनल केसों की पहेली को अपने बेहतरीन इंवेस्टिगेशन के दम पर सुलझाकर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने वाले देशभर के कुछ चुनिंदा पुलिस अधिकारियों और उनकी टीम का हिस्सा रहे कुछ अन्य पुलिसकर्मियों को पहली बार "यूनियन होम मिनिस्ट्र्स मेडल फॉर एक्सलेंस इन इंवेस्टिगेशन" पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया जाएगा। अब तक पुलिस को बहादुरी के लिए, उत्कृष्ट सेवा के लिए या अन्य दूसरे पुरस्कार से सम्मानित किया जाता था, लेकिन यह पहली बार है, जब पुलिस द्वारा की गई इंवेस्टिगेशन के लिए पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया जा रहा है। इसमें देशभर से 96 पुलिसकर्मियों के नामों का चयन किया गया है। पूरे देश को झकझोर कर रख देने वाले निर्भया केस की छानबीन कर रेप के आरोपियों को सजा दिलाने वाली दिल्ली पुलिस की टीम के चार सदस्यों को भी इस पुरस्कार से नवाजा जाएगा। जिसमें नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन (एनएचआरसी) की डीआईजी छाया शर्मा, द्वारका एसीपी राजेन्द्र सिंह यादव, नेब सराय एसएचओ नरेश कुमार सोलंकी और इंस्पेक्टर प्रतिभा शर्मा के नाम शामिल हैं। इसके अलावा दो अन्य पुलिसकर्मियों एसआई संदीप तुशीर और एसआई मंजू चाहर को भी इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

डीआईजी छाया शर्मा

इन दिनों एनएचआरसी में डीआईजी के पद पर कार्यरत छाया शर्मा दिसम्बर 2012 में साउथ दिल्ली की पुलिस उपायुक्त थीं। 16 दिसम्बर 2012 को निर्भया कांड को जिस हैवानियत के साथ अंजाम दिया गया था। उससे पूरा देश उबल पड़ा था। केस को जल्द से जल्द सुलझाकर आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की जिम्मेदारी पुलिस उपायुक्त पर थी। अपनी पुलिस टीम के साथ उन्होंने किया भी ऐसा ही। सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगालकर और जांच के हर पहलू पर गौर करते हुए कुछ ही दिनों में रेप कांड के 6 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया गया।

एसीपी राजेन्द्र सिंह

इस टीम का हिस्सा रहे एसीपी राजेन्द्र सिंह यादव उन दिनों इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे। इस केस की जांच के दौरान राजेन्द्र सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचने वालों में से थे और केस की जांच के दौरान आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से दबोचने में कामयाब हुए थे। वे इन दिनों एसीपी द्वारका के पद पर तैनात हैं।

इंस्पेक्टर प्रतिभा शर्मा

साउथ दिल्ली की क्राइम अगैंस्ट वुमेन सेल में तैनात इंस्पेक्टर प्रतिभा शर्मा निर्भया कांड के दौरान साउथ दिल्ली में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थीं। इन्हें इस केस का आईओ बनाया गया था और इस केस को सुलझाकर अरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने के लिए इन्हें असाधारण कार्य पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है।

एसएचओ नरेश सोलंकी

निर्भया कांड की जांच टीम का हिस्सा बने थे इंस्पेक्टर नरेश कुमार सोलंकी, जिन्होंने केस को सुलझाने में और केस की एक-एक कड़ी को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे इन दिनों नेब सराय थाने के एसएचओ के पद पर तैनात हैं।

एसआई मंजू चाहर

द्वारका में वर्ष 2013 में हुए नाइजीरियन महिला के साथ गैंगरेप की छानबीन की जिम्मेदारी निभाते हुए सब इंस्पेक्टर मंजू चाहर ने अपनी टीम के साथ दोनों आरोपियों को दबोचकर केस को सुलझाया। साथ ही इंवेस्टिगेशन से यह भी सुनिश्चित किया कि दोनों ही आरोपियों को उनके किए की कठोर सजा मिले।